वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रकाशित

शनिवार, पौष कृष्ण पक्ष, **तृतीया**, कलियुग वर्ष ५१२२ (१६ जनवरी, २०२१)

वैदिक उपासना

राष्ट्र एवं धर्मके पुनरूत्थान हेतु समर्पित ऑनलाईन दैनिक वृत्त पत्र

धर्माचरण हेतु कष्ट उठाना, राष्ट्र हेतु समय देना एवं साधना हेतु त्याग करना, यह सनातन उपासना है।

e-mail : upasanawsp@gmail.com, website : www.vedicupasanapeeth.org.

कलका पंचांग

जयतु जयतु हिन्दुराष्ट्रं

१७ जनवरी २०२१ का वैदिक पंचांग

कलियुग वर्ष – ५१२२ / विक्रम संवत – २०७७ / शकवर्ष - १९४२.....कलके पंचांगके सम्बन्धमें और जानकारी हेतु इस लिंकपरजाएं.....https://vedicupasanapeeth.org/hn/kal-ka-panchang-17012021

देव स्तुति

नमः सूर्याय शांताय सर्व रोग विनाशिने।
आयुरारोग्यवैश्वरदेहिदेव नमोऽस्तुते॥

अर्थ : शान्तिप्रदान करनेवाले, सर्व रोग नाश करनेवाले सूर्य भगवानको नमस्कार है। सूर्यदेव आयु आरोग्य और ऐश्वर्य हमें दें ! आपको नमस्कार है।

शास्त्रवचन

महापातकविच्छित्यै शिव इत्यक्षरद्वय्।
अलं नमस्क्रियायुक्तो मुक्तये करिकल्पते॥

अर्थ : स्कन्दपुराणके अनुसार नाम महिमा : 'शिव', यह दो अक्षरोंका मन्त्र ही बडे-बडे पातकोंका नाश करनेमें समर्थ है और उसमें नमः पद जोड दिया जाए, तब तो वह मोक्ष देनेवाला हो जाता है।

****

यथर्तावृतुलिंगानि नानारूपाणि पर्यये।
दृश्यन्ते तानि तान्येव तथा भावा युगादिषु॥

अर्थ : सूतपुत्र उग्रश्रवाजी कहते हैं, "जैसे ऋतु आनेपर उसके फल-पुष्प आदि नाना प्रकारके चिह्न प्रकट होते हैं और ऋतु बीत जानेपर वे सब समाप्त हो जाते हैं उसी प्रकार कल्पका आरम्भ होनेपर पूर्ववत वे-वे पदार्थ दृष्टिगोचर होने लगते हैं और कल्पके अन्तमें उनका लय हो जाता है।

धर्मधारा

१. उत्तम सन्तति हेतु गर्भाधान संस्कारका महत्त्व (भाग-३)

गर्भस्थापनके पश्चात अनेक प्रकारके प्राकृतिक दोषोंके एवं आनिष्ट शक्तियोंके आक्रमण होते हैं, जिनसे बचनेके लिए यह संस्कार किया जाता है। जिससे गर्भ सुरक्षित रहता है। माता-पिताद्वारा खाए अन्न एवं विचारोंका भी गर्भस्थ शिशुपर प्रभाव पडता है। माता-पिताके रज-वीर्यके दोषपूर्ण होनेका कारण उनका धर्मनिष्ठ न होना, मादक द्रव्योंका सेवन तथा अशुद्ध आहार होता है। उनकी दूषित मानसिकता एवं अशुद्ध वास्तु व पितृदोष भी वीर्यदोष या रजदोष उत्पन्न करती है। दूषित बीजका वृक्ष दूषित ही होगा। अतः मन्त्रशाक्तिसे बालककी भावनाओंमें परिवर्तन आता है, जिससे वह दिव्य गुणोंसे सम्पन्न बनता है। इसलिए गर्भाधान-संस्कारकी आवश्यकता

होती है।

आपको बताया ही था कि दाम्पत्य जीवनका सर्वोच्च उद्देश्य है - श्रेष्ठ गुणोंवाली, स्वस्थ, ओजस्वी, चरित्रवान और यशस्वी सन्तान प्राप्त करना। स्त्री-पुरुषकी प्राकृतिक संरचना ही ऐसी है कि यदि उचित समयपर समागम किया जाए, तो सन्तान होना स्वाभाविक ही है; किन्तु गुणवान सन्तान प्राप्त करनेके लिए माता-पिताको नियोजनकर विचारपूर्वक इस कर्ममें प्रवृत्त होना पडता है। श्रेष्ठ सन्तानकी प्राप्तिके लिए शास्त्रीय विधि-विधानसे किया गया सम्भोग ही गर्भाधान-संस्कार कहा जाता है। इसके लिए माता-पिताको शारीरिक और मानसिक रूपसे अपने आपको सिद्ध करना होता है; क्योंकि आनेवाली सन्तान उनकी ही आत्माका प्रतिरूप होती है। इसलिए तो पुत्रको आत्मा और पुत्रीको आत्मजा कहा जाता है।

****

२. नारीको भोग्या समझकर उसका शोषण करनेवालोंका कुलनाश निश्चित !

अपनी वासनाको अनियन्त्रितकर, परस्त्रीपर उसका प्रदर्शन करनेवालेको पुरुष नहीं 'असुर' कहते हैं और परस्त्रीको मातृशक्तिके रूपमें देखने वालेको 'पुरुष' कहते हैं। जिन राजाओंने परस्त्रीको भोग्या समझ उसका शोषण किया, उनकी कीर्ति और वंशका नाश शीघ्र हुआ है, इतिहास इसका साक्षी है। वैदिक संस्कृतिमें, जिन्होंने युद्धमें पकडी गई स्त्रियोंको भी मां समान समझा, इतिहासने ऐसे वीरोंको छत्रपति एवं पुरुषोत्तमकी संज्ञासे अलंकृत किया है।

****

३. स्वतन्त्रताके पश्चातसे ही पाकिस्तानके अनेक भारतविरोधी दुष्कृत्योंके प्रत्यक्ष एवं परोक्ष प्रमाण मिलनेपर भी उसके

विरुद्ध कोई ठोस कार्यवाही नहीं करनेवाले निष्क्रिय राज्यकर्ता, इस देशको क्या कभी बाह्य आक्रमणोंसे सभी नागरिकोंको सुरक्षा दे पाएंगे ?

उसी प्रकार नक्सलवादियोंके अमानवीय आक्रमणोंसे भारतको मुक्त नहीं कर पानेवाले अकर्मण्य राज्यकर्ता, क्या कभी देशमें आन्तरिक शान्ति और स्थिरता ला पाएंगे ? अर्थात भारतीय प्रजातान्त्रिक व्यवस्था बाह्य एवं आन्तरिक दोनों ही स्तरोंपर ही इस देशकी प्रजाको सुरक्षित रखनेमें असक्षम रही है, यही स्वतन्त्रताके पश्चातकी घटनाएं हमें चिल्ला-चिल्लाकर बता रही हैं। इस स्थितिको परिवर्तित करने हेतु हिन्दू राष्ट्र ही चाहिए, जहां भारतके सभी शत्रु राष्ट्रके कुकृत्योंपर एवं इस देशमें आन्तरिक अस्थिरता उत्पन्न करनेवालोंको मुंहतोड उत्तर देनेवाले राष्ट्राभिमानसे ओत-प्रोत राज्यकर्ता होंगे एवं प्रजा सुखी तथा बाह्य एवं आन्तरिक आघातोंसे भी सुरक्षित होगी।

– (पू.) तनुजा ठाकुर, सम्पादक

प्रेरक प्रसंग

सच्चा आनन्द

एक बार एक शिक्षक सम्पन्न परिवारसे सम्बन्ध रखनेवाले एक युवा छात्रके साथ कहीं टहलने निकले। उन्होंने देखा कि मार्गमें पुराने हो चुके एक जोडी जूते उतरे पडे हैं, जो सम्भवतः समीपके खेतमें कार्य कर रहे निर्धन श्रमिकके थे, जो अब अपना कार्य समाप्तकर घर लौटनेकी 'तैयारी' कर रहा था।

छात्रको उपहास सूझा। उसने शिक्षकसे कहा, “गुरुजी क्यों न हम ये जूते कहीं छुपाकर झाडियोंके पीछे छुप जाएं; जब

वह श्रमिक इन्हें यहां नहीं पाकर घबराएगा तो बहुत आनन्द आएगा।"

शिक्षक गम्भीरतासे बोले, "किसी निर्धनके साथ इस प्रकारका निम्नस्तरीय उपहास करना ठीक नहीं है। क्यों न हम इन जूतोंमें कुछ मुद्राएं डाल दें और देखें कि इसका श्रमिकपर क्या प्रभाव पडता है ?"

छात्रने ऐसा ही किया और दोनों निकटकी झाडियोंमें छुप गए।

श्रमिक शीघ्र ही अपना कार्य समाप्तकर जूतोंके स्थानपर आ गया। उसने जैसे ही एक पांव जूतेमें डाला, उसे किसी कठोर वस्तुका आभास हुआ, उसने उत्सुकतासे जूते हाथमें लिए और देखा कि भीतर कुछ मुद्राएं थीं। उसे बडा आश्चर्य हुआ और वो मुद्राएं हाथमें लेकर बडे ध्यानसे उन्हें पलट-पलट कर देखने लगा। वह इधर-उधर देखने लगा, दूर-दूरतक कोई दिखाई नहीं दिया, तो उसने उन्हें अपने कोषमें (जेबमें) डाल लिया। अब उसने दूसरा जूता उठाया, उसमे भी मुद्राएं थीं। श्रमिक भावविभोर हो गया, उसके नेत्रोंसे अश्रुधारा बहने लगी, उसने हाथ जोडकर कहा, "हे भगवान ! समयपर प्राप्त इस सहायताके लिए उस अज्ञात सहायकका कोटि-कोटि धन्यवाद। उसकी सहायता और दयालुताके कारण आज मेरी रुग्ण पत्नीको औषधि और भूखे बच्चोंको रोटी मिल सकेगी।"

श्रमिककी बातें सुन छात्रकी आंखें भर आईं। शिक्षकने छात्रसे कहा, "क्या तुम्हारी उपहासवाली बातकी अपेक्षा जूतेमें मुद्राएं डालनेसे तुम्हे कम आनन्द आया ?"

छात्र बोला, "आपने आज मुझे जो पाठ पढाया है, उसे मैं जीवनभर नहीं भूलूंगा।"

अजवाइन (भाग-६)

'मुंहासों'से छुटकारा : अजवाइन पाचनशक्तिको ठीक रखता है । अतः यदि उदर ठीक होगा तो 'मुंहासे# नहीं आएंगे और यदि आपके मुखपर मुंहासे हैं, तो दहीके साथ थोडीसी अजवाइन पीसकर इस लेपको मुखपर लगाएं ! जब लेप सूख जाए, तब इसे उष्ण जलसे स्वच्छ कर लें ! कुछ ही दिनोंमें मुंहासे लुप्त हो जाएंगे ।

मोटापेसे छुटकारा : भार कम करनेके लिए ५० ग्राम अजवाइनको १ गिलास पानीमें रातभर भिगोकर, प्रातः छानकर इसमें आधा चम्मच निम्बू निचोड लें और १ चम्मच मधु मिलाकर प्रातः खाली पेट पी लें ! इससे अतिरिक्त भारको न्यून किया जा सकता है ।

अजवाइनके सेवनकी मात्रा : अजवाइन एक औषधि है, जिसका सेवन हमें औषधिके अनुसार ही करना चाहिए; क्योंकि अधिक या कम मात्रामें सेवन करनेसे हमें पर्याप्त लाभ प्राप्त नहीं हो पाते हैं, इसलिए हमें निश्चित मात्रामें अजवाइनका सेवन करना चाहिए ।

सामान्य रूपसे स्वस्थ व्यक्तिको प्रतिदिन १ से ३ ग्राम अजवाइनका सेवन करना चाहिए ।

यदि चिकित्सीय औषधि ली जा रही है तो अजवाइनकी मात्रा २ से ४ ग्राम प्रतिदिन होनी चाहिए ।

यदि आप अजवाइनके जलका सेवन करते हैं तो इसकी मात्रा १० से १०० मिली ग्रा. प्रतिदिन होना चाहिए ।

अजवाइनसे होनेवाली हानियां : सामान्य रूपसे अजवाइनका सेवन करनेपर यह सुरक्षित है; परन्तु कुछ विशेष

स्थितियोंमें
अजवाइनके दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं।

•गर्भवती महिलाओंको अजवाइनका अधिक मात्रामें सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि ऐसा माना जाता है कि उष्ण प्रकृति होनेके कारण यह गर्भापातका कारण बन सकती है।

•बच्चोंके लिए अजवाइनकी मात्रा निश्चित नहीं की जा सकती है; तथापि परामर्श दिया जाता है कि बच्चोंको भी बहुत ही कम या नियन्त्रित मात्रामें अजवाइनका सेवन करना चाहिए।

•यदि आप रक्तको पतला करने सम्बन्धी औषधियोंका सेवन कर रहे हैं, तो इस मध्य अजवाइनका सेवन न करें ! यह आपके रक्तको और अधिक पतला बना सकता है।

•'थाइमोल'की अच्छी मात्रा होनेके कारण कुछ लोगोंको अजवाइनका सेवन करने या उपयोग करनेसे त्वचामें जलन, खुजली या चकते आदिकी समस्या हो सकती है।

•अधिक मात्रामें अजवाइनका सेवन करनेसे चक्कर आना, उल्टी और मतली आदिकी समस्या भी हो सकती है।

•कुछ लोगोंको अजवाइनका अधिक मात्रामें सेवन उदर पीडा, मुखके छाले और जलन आदिका अनुभव करा सकता है।

उत्तर प्रदेशमें आपणिमें (दुकानमें) घुसकर जिहादियोंने हिन्दू महिलाको पीटा

उत्तर प्रदेशके फिरोजाबादमें मोहम्मद आदिल, दाउद, मेहरबान अली और एक अन्य युवकने रूबी देवी नामक एक महिलाके साथ बिना कारण मारपीट की। जिहादियोंने महिलाके वस्त्र भी सबके सामने उतारनेका प्रयास किया।

आरोपियोंने महिला और बचावमें आए उसके बच्चेको भी क्रूरतासे पीटा !

समाचारके अनुसार थाना रसूलपुर क्षेत्रमें रविवारको जिहादी समुदायके कुछ युवक एकाएक महिलाकी आपणिमें घुस गए और उसे मारने-पीटने लगे। इस मध्य युवकोंने उसकी सामग्री उठाकर मार्गपर फेंक दी । 'सोशल मीडिया'पर इस घटनाका 'वीडियो' प्रसारित हो रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि आरोपी युवक महिलाको घेरकर पहले उसके वस्त्र खींचते हैं, उसके साथ लाठी-डंडों, 'बेल्ट' और 'हंटरों'से मारपीट करते हैं। वहीं जब महिलाका बेटा मांको बचानेके लिए 'बाल्टी' लेकर दौडता है तो आतङ्की उसे भी मारते हैं।

अभी यह देश हिन्दू बहुल है तो जिहादी मारपीटकर पीछे हट गया। हिन्दुओ, यदि कुछ वर्ष और सुप्त रहे तो ये खुलेमें काटेंगे और इस्लामिक विधान अनुसार महिलाओंको पत्थरोंसे तबतक मारेंगे, जबतक वह मृत न हो जाए। यदि ऐसा आतङ्क अपने देशमें नहीं देखना चाहते हैं, तो समय रहते जाग जाएं !

****

भगवानके सिरपर लात मारकर ईसाई बनानेवाला पादरी बनाया गया बन्दी

हिन्दुओंके देवी-देवताओंको लात मारकर साधारण ग्रामोंको 'Christ Villages' बनानेवाले ईसाई पादरी प्रवीण चक्रवर्तीको आंध्र प्रदेशकी 'सीआईडी'ने १३ जनवरी २०२२ को बन्दी बना लिया। उसके व उसके सङ्गठन 'साइलम ब्लाइंड सेंटर'के विरुद्ध 'LRPF (Legal Rights Protection Forum)'ने वर्ष २०१९ में गृह मन्त्रालयमें परिवाद (शिकायत)

प्रविष्ट करवाया था।

पादरीके विरुद्ध विभिन्न धार्मिक समूहोंके मध्य शत्रुताको बढावा देने और पूजा स्थलमें अपराध करनेके लिए 'आईपीसी'की विभिन्न धाराओं- '१५३ ए, १५३ बी (१) (सी), ५०५ (२), २९५ ए, १२४ ए और ११५'के अन्तर्गत आरोप लगाए गए हैं। उसके ऊपर 'सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम'की 'धारा ६६ f'के अन्तर्गत भी प्रकरण प्रविष्ट हुआ है।

'LRPF'द्वारा साझा किए गए चक्रवर्तीके एक 'वीडियो'में देख सकते हैं कि वो बता रहा है कि कैसे वह गांवमें रह रहे लोगोंसे ईसाई धर्म स्वीकार करवाता है। उसने कहा कि पहले एक पादरीको गांवमें बुलाकर 'बाइबल' पढाई जाती है। जब गांवमें सभी ईशुको अपना पालनहार मान लेता है और पत्थरके भगवानों और पेडोंको लात मार देता है, तब वह गांव 'Christ village'में परिवर्तित हो जाता है।

हिन्दुओ, ऐसे अनेक पादरी अभी भी हैं, जो देवताओंको ठोकर मारकर ईसाइयोंके गांव बनाना चाहते हैं। अब उन्हें ठोकर मारकर भारतसे बाहर फेंकनेका समय आ गया है। इस हेतु सभी धर्मनिष्ठ सिद्ध हो !

****

१० रोहिंग्या मुसलमान राजधानी ट्रेनमें बनाए गए बन्दी

रेलवे पुलिसने बिहारके किशनगंजसे लगभग ९० किलोमीटरकी दूरीपर स्थित न्यू जलपाईगुडी 'स्टेशन'पर १० रोहिंग्या मुसलमानोंको बन्दी बनाया है। ये सभी बुधवार, १३ जनवरीकी दोपहर '०२५०१ अगरतला-नई दिल्ली राजधानी स्पेशल ट्रेन'से बन्दी बनाए गए। इसमें ३ पुरुष, २ महिलाएं और ५ बच्चे सम्मिलित हैं।

सभी रोहिंग्या मुस्लिम बांग्लादेशके कॉक्स बाजार स्थित कुटूपालंग शिविरसे भागे थे । इन सबको ट्रेन अधीक्षककी सक्रियतासे बन्दी बनाया जा सका है।

समाचारके अनुसार, 'नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर रेलवे (एनएफ रेलवे)'के 'चीफ पब्लिक रिलेशन ऑफिसर (सीपीआरओ)' शुभानन चंद्राने कहा कि '०२५०१ अगरतला नई 'दिल्ली' राजधानी स्पेशल ट्रेन'में ट्रेन अधीक्षक गुवाहाटी नियुक्त थे। वह यात्रियोंके टिकटकी जांचके लिए गुवाहाटी स्टेशनपर रेलयानमें आए थे । टिकटकी जांचके समय उन्हें रेलयानके 'बी-७' डिब्बेमें यात्रा करनेवाले कुछ यात्रियोंपर सन्देह हुआ । इसके पश्चात अधीक्षकने उन सन्दिग्ध यात्रियोंकी जांचके लिए रेलवे पुलिसको एक 'मेमो' प्रेषित किया । यह जानकारी मिलनेके पश्चात रेलवे पुलिसने लगभग १:४० बजे रेलयानको न्यू जलपाईगुडी स्टेशनपर जांचके लिए रोका।

जांचके समय दो पुरुष और तीन महिलाओंकी नागरिकता सन्देहके घेरेमें दिखी । इसके पश्चात उन्हें न्यू जलपाईगुडी स्टेशनपर ही उतार लिया गया । पूछताछके समय उन्होंने बताया कि वे रोहिंग्या हैं और ११ जनवरीको अगरतला स्टेशनसे रेलयानपर बैठे थे।

रेलवेके जालस्थलपर 'थर्ड एसी'का टिकट ३५४० रुपयेका है अर्थात १० व्यक्तियोंका टिकट हुआ ३५४०० रुपयेका । इसकी पूरी आशंका है कि यह 'दलाल'द्वारा बनवाया गया है।

३५००० टिकटके लिए व्यय करनेके लिए रोहिंग्याओंके पास स्वयं तो नहीं आए होंगे अर्थात किसीने उनकी भारतमें प्रवेश करनेमें सहायता की है और यह सभी जानते हैं कि मदरसें और मस्जिदें ऐसा कृत्य कर रहे हैं और

यह लज्जाजनक है कि भारत शासन इसे अभीतक रोक नहीं पाया !

****

ट्रम्प प्रकरणपर 'फेसबुक' और 'ट्विटर'को एक सप्ताहमें ३७२६१८ करोडकी हानि

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रम्पको अपने 'प्लेटफॉर्म'से प्रतिबन्धित करनेके पश्चात कई 'सोशल मीडिया साइट्स'को अरबोंकी आर्थिक हानि झेलनी पडी है। 'ट्विटर' और 'फेसबुक' जैसे महारथियोंको ही अपने एक निर्णयके चलते कुल ५१.२ बिलियन डॉलर अर्थात ३ लाख ७२ सहस्र करोड रुपयेकी हानि हुई।

ट्रम्प समर्थकोंने इन दिग्गजोंको मात्र एक सप्ताहमें ही इस स्थानपर पहुंचा दिया। कैपिटल हिलमें हिंसाके पश्चात ट्रम्पको भिन्न-भिन्न 'प्लेटफॉर्म'से प्रतिबन्धित किया गया था।

ट्रम्पको प्रतिबन्धित करनेसे पहले 'फेसबुक', 'ट्विटर'ने परिणामोंकी कल्पना नहीं की थी। उन्होंने केवल अतिरिक्त हिंसाकी आशंकाके कारण प्रतिबन्ध लगाया, इसकारण फेसबुकको सोमवारतक ४% और मंगलवारको २.२% की गिरावट देखनी पडी; क्योंकि शेयरधारकोंने स्टॉक 'डंप' कर दिया था। मंगलवारको 'बाजार' बन्द होनेतक 'फेसबुक'की 'मार्केट' $४७.६ 'बिलियन' नीचे रही।

इसी प्रकार ट्विटरने सप्ताहके आरम्भके साथ ६.४% की गिरावट देखी गई और मंगलवारको 'बाजार' बन्द होनेतक २.४ % की गिरावट हुई।

एक निर्णयके कारण इतनी हानि देखकर 'ट्विटर' प्रमुखको अब अपने निर्णयपर पछतावा होने लगा है। उनका कहना है

कि उनके सामने असामान्य और कठिन परिस्थितियां थीं, जिसके कारण पूरा ध्यान लोगोंकी सुरक्षापर केन्द्रित करना पडा । उन्होंने अपनी विवशता बताते हुए दुःख प्रकट किया और कहा कि ट्रम्पके खातेपर प्रतिबन्ध लगाना एक प्रकारसे 'ट्विटर'की असफलता भी है; क्योंकि वह इस 'प्लेटफॉर्म'पर स्वस्थ संवादको बढावा देनेके लिए आवश्यक पग नहीं उठा सके।

हम हिंसाके समर्थक नहीं हैं; परन्तु 'फेसबुक' और 'ट्विटर'की वामपन्थियोंके प्रति सहृदयता स्पष्ट दिखती है और उनके साथ इससे भी बुरा परिणाम अपेक्षित है और भारतमें यह हिन्दुओंके लिए सीख है कि वे इनकी निधर्मितापर इन्हें कैसे पाठ पढा सकते हैं ?

****

मकर संक्रान्तिपर राजस्थान शासनने जारी किया पक्षियोंकी चिन्ता करता विज्ञापन

मकर संक्रान्तिके अवसरपर राजस्थानके मुख्यमन्त्री अशोक गहलोतकी ओरसे पक्षियोंके लिए चिन्ता प्रकट की गई है । राजस्थान शासनके इस विज्ञापनमें पक्षीके चित्रके साथ लिखा है, “बेजुबान परिंदे करते हैं फरियाद । भरने दो हमें उडान, न छीनो हमारे प्राण ।” इस विज्ञापनके पासमें गहलोतका चित्र है।

भाजपा नेता कपिल मिश्रने 'ट्वीट' किया है । उन्होंने इसे हिन्दुओंके त्योहारोंके विरुद्ध घृणित अभियान कहा है । वह लिखते हैं, “हमारे त्योहारोंको हिंसा और दुःखका प्रतीक बतानेका लज्जाहीन प्रयास । जिन त्योहारोंपर लाखों जीवोंकी हत्या ही त्योहार होता है, उनको शान्तिका प्रतीक बताना और

हमारे उत्सवोंके प्रति घृणा उत्पन्न करना। ये अस्वीकार्य है। इसको रोकना ही होगा।"

कई 'सोशल मीडिया यूजर्स'ने भी इस विज्ञापनपर अपना परामर्श दिया है। लोगोंका मत यह नहीं है कि वो पतंग उडाकर पक्षियोंके प्राण लेना चाहते हैं। बस उनका प्रश्न है कि यह जागरूकता दूसरे समुदायके ऐसे त्योहारपर क्यों नहीं फैलाई जाती, जब सैंकडों पशुओंको त्योहारके नामपर मार दिया जाता है।

निस्सन्देह एक-दो पक्षियोंके पतंगके कारण मरनेपर शोक प्रकट किया जा सकता था, जब शासन चीनके 'मांजे' बन्द करती और यही संवेदना ईदपर और 'मोबाइल टॉवर'की विकिरणोंसे मरनेवाले असङ्ख्य पक्षियोंके प्रति भी करता ! निस्सन्देह यहांपर गहलोत शासन और भाजपा नेता दोनों ही नाटक कर रहे हैं; क्योंकि मूलभूत बातोंपर कोई बात नहीं करता है। कांग्रेस हिन्दू त्योहारोंको लक्ष्य बनाती है और भाजपा हिन्दू हितैषी होनेका ढोंग करती है, जबकि समाधान कोई नहीं बताता है और न ही कोई करता है। ऐसे शासकगण हमपर शासन कर रहे हैं, अब यह हिन्दू राष्ट्रकी स्थापनापर ही ठीक होगा।

****

सपा सांसद एसटी हसनने राम मन्दिरके लिए अर्पण राशि मांगनेके प्रकरणपर भाजपाद्वारा जिहादियोंसे पथरावकी कही बात

समाजवादी दलके मुरादाबादसे सांसद एसटी हसनने राम मन्दिर निर्माणके लिए धन एकत्र कर रहे लोगोंके विरुद्ध विवादित वक्तव्य दिया है। सांसद एसटी हसनने उत्तर प्रदेशमें

सत्तारूढ भाजपा शासनपर आरोप लगाया है कि वह राजनीतिक लाभके लिए स्वयं राम मन्दिरका अर्पण राशि लेने निकले लोगोंपर पथराव करवा सकती है।

राम मन्दिर और हिन्दुओंको लक्ष्य बनाते हुए सांसद एसटी हसनने कहा, "भाजपाके पास एक बहुत अच्छा शस्त्र है। हिन्दुओंको भी समझना चाहिए कि ये सब कुछ कर लेते हैं। इनके पास 'फॉर्मूला' है, हिन्दू-मुसलमानका। ये अन्तमें आकर ऐसा हिन्दू-मुसलमान करेंगे कि भोले-भाले लोग धर्म भावनाओंमें बहकर इनको मतदान करेंगें।"

सपा सांसद एसटी हसनने आगे कहा, "राम मन्दिरका निर्माण हो रहा है। अब इसका विषय समाप्त हो गया है; परन्तु भाजपाके लोग जब अर्पण राशि लेने निकलेंगे, तो जिहादियोंसे पथराव करवा देंगे। पथरावके पश्चात जो होगा, वो आप मध्य प्रदेशमें देख चुके हैं। इसके माध्यमसे हिन्दुओंको ये सन्देश दिया जाएगा कि हम ये स्थिति उत्पन्न कर सकते हैं।"

मुरादाबादसे समाजवादी समुदायके सांसद एसटी हसनने कहा कि भाजपाकी राजनीतिको समझनेकी आवश्यकता है, अन्ततः इस प्रकारकी राजनीति कबतक चलेगी ? उनके अनुसार, हिन्दू-मुसलमान करनेसे 'रोटी-रोजी' नहीं चलती। भाजपा चुनावोंसे पूर्व ध्रुवीकरणका प्रयास कर सकती है।

हसन यह बताना चाह रहे हैं कि मुसलमान उपद्रव नहीं करते हैं, वरन भाजपा उन्हें धन देकर करवाती है। मान लिया भाजपा धन देकर करवाती है, तो क्या जिन राज्योंमें

भाजपा नहीं है, वहां भी भाजपा ही जिहादियोंद्वारा उपद्रव करवाती है ? यह हास्यास्पद है। हसन यह स्वीकार कर लें कि जिहादी समाज स्वयं आतङ्कका समर्थन करता है, जिसके कारण उपद्रव होते हैं और यही सत्य है, जिसका समाधान भारतको करना आवश्यक है।

****

जलीकट्टूको हिंसक बतानेवाले कांग्रेस दलके ही राहुल गांधीने अब उसे बताया ऐतिहासिक संस्कृति

तमिलनाडुमें जलीकट्टूके कार्यक्रममें राहुल गांधीने भाग लिया । अनेक लोगोंने राहुलकी निन्दा की । उनके ही नेताओंद्वारा उसे बर्बर बतानेपर तथा राहुलद्वारा प्रशंसा करनेपर लोगोंने 'सोशल मीडिया'पर उसे लताडा।

२०१६ के मतदानसे पूर्व कांग्रेसने तमिलनाडुके जलीकट्टूको पशुओंपर अत्याचार करनेवाला घोषित किया था। कांग्रेसने अपने घोषणा-पत्रमें उसे प्रतिबन्धित करनेका प्रस्ताव भी रखा था । यह तब हुआ, जब भाजपाद्वारा इसे समर्थन देनेपर, पूर्व प्रधानमन्त्री मनमोहन सिंहके शासनने भी इसे हिंसक बताया था और उन्होंने भाजपापर राजनीतिकरणके लिए आरोप भी लगाए थे।

२०१६ में शशि थरूरने भी भाजपापर आरोप लगाए थे। उसने वहांके पशु कल्याण 'बोर्ड'से भी आग्रह किया था कि वे उन बैलोंको यातना देनेवाले खेलको समाप्त करें; किन्तु राहुलने अब वहां कार्यक्रममें सम्मिलित होकर यह कहा है कि उसे तमिल संस्कृति और वहांका इतिहास भारतके भविष्यके लिए आवश्यक लगता है और हमें इसका सम्मान करना चाहिए । उसने जलीकट्टूमें व्यवस्था और सुरक्षाकी प्रशंसा

करते हुए कहा कि वह उन लोगोंको सन्देश देने आया है, जो तमिल संस्कृतिको नष्ट करना चाहते हैं।

देशद्रोही नेता किसी भी संस्कृतिका, कभी भी सम्मान नहीं कर सकते। उन्हें तो केवल मतदाताओंसे मत एकत्रित करने होते हैं, देश चाहे खण्डित हो या वहांके हिन्दुओंका जीवन नष्ट हो, उससे उन्हें क्या लेना-देना ? उन्हें तो केवल शासन चाहिए । देशवासियोंको अब ऐसे अवसरवादी नेताओं व दलोंको बाहरका मार्ग दिखाना चाहिए । (१५.०१.२०२१)

****

चन्द्रबाबू नायडूके मन्दिरोंके समीप मिशनरियोंद्वारा धर्मान्तरणको प्रोत्साहित करनेवाले वक्तव्यपर १३ जनपदोंके ईसाई राजनेताओंने त्यागा दल

तेलुगू देशम राजनीतिक दलके 'क्रिश्चियन सैल' अन्तर्गत आंध्र प्रदेशके १३ जनपदोंके ईसाई राजनेताओंने विजयवाडामें एकत्रित होकर बुधवारको दलसे त्यागपत्र दे दिया । इसका प्रमुख कारण दलके मुखिया व पूर्व मुख्यमन्त्री चन्द्रबाबू नायडूका कथित विवादित वक्तव्य है। वहीं कुछ दिवस पूर्व ही दलके वरिष्ठ अल्पसङ्ख्यक राजनेता फिलिप्स टोचरने भी स्वयं को दलसे पृथक कर लिया था। उल्लेखनीय है कुछ समय पूर्वसे प्रदेशमें मन्दिरों व मूर्तियोंपर निरन्तर आक्रमण करनेके प्रकरण उजागर हुए हैं। इसपर आंध्र प्रदेश शासनको भी आलोचनाका सामना करना पड रहा है। हिन्दू धार्मिक स्थलोंपर हुए इन आक्रमणोंपर चन्द्रबाबू नायडूने भी वक्तव्य दिया था । अपने रामतीर्थमके भ्रमणपर एक जनसभाको सम्बोधित करते हुए नायडूने कहा था कि ईसाई 'मिशनरी'

प्रदेशके समस्त मन्दिरोंके समीप धर्मान्तरणको प्रोत्साहित कर रहे हैं । उनके इसी वक्तव्यके आनेके पश्चात प्रदेशमें अनेक ईसाई राजनेताओंने नायडूकी आलोचना की तथा त्यागपत्र दे दिया । वहीं कुछ लोगोंने विशाखापट्टनमके 'ग्रेटर विशाखापत्तनम म्युनिसिपल कॉरपोरेशन' स्थित महात्मा गांधीकी मूर्तिके समीप विरोध प्रदर्शन करते हुए मांग उठाई कि नायडूको अब अल्पसंख्यकोंसे क्षमायाचना करनी चाहिए।

विलम्बसे ही सही; परन्तु चन्द्रबाबू नायडूको अब हिन्दुत्व स्मरण हो आया है । हो सकता है कि यह अपने दलको उभारने हेतु उनका ढोंग हो; परन्तु अब ढोंगसे ही सही, उन्हें हिन्दुओंका आश्रय चाहिए; क्योंकि वह जानते हैं कि अब देशका हिन्दू जागरूक हो रहा है और उनके दलको हिन्दू ही उभार सकते हैं; इसलिए वह उसी मार्गपर चल रहे हैं व बिना किसी चिन्ताके वक्तव्य दे रहे हैं; परन्तु हिन्दुओंको तो अब केवल हिन्दू राष्ट्र ही चाहिए।

****

रामसेतुके निर्माण और ऐतिहासिक तथ्य ज्ञात करनेके उद्देश्यसे 'एएसआई'ने दी समुद्रके भीतर शोधकी अनुमति

रामसेतु कितना पुरातन है और इसका निर्माण किस प्रकार हुआ था ?, यह तथ्य ज्ञात करनेके उद्देश्यसे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण 'आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया'के अधीन आनेवाले 'सेंट्रल एडवाइजरी बोर्ड'ने जलके भीतर शोधकी अनुमति प्रदान की है । यह 'प्रोजेक्ट' इसी वर्षसे आरम्भ होगा । आशा है कि इस शोधमें अत्याधुनिक उपकरणोंद्वारा सेतुका निर्माण किस कालमें हुआ तथा रामायण कालके सम्बन्धमें ज्ञात होगा।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षणके (एएसआई) अन्तर्गत आनेवाले 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशनोग्राफी' गोवाको पिछले माह शोध हेतु अनुमति दी गई है । वहांके निदेशक 'प्रोफेसर' सुनील कुमार सिंहके अनुसार प्रस्तावित अध्ययन पुरातात्विक वस्तुएं, 'रेडीयोमेट्रिक' तथा भौगोलिक समय और दूसरे पर्यावरण सम्बन्धित 'डेटा'पर आधारित होगा । उन्होंने कहा कि 'रेडीयोमेट्रिक' पद्धतिसे यह ज्ञात किया जा सकेगा कि यह सेतु कितना पुरातन है ? इसमें लगे पत्थर 'प्यूमिस स्टोन'से निर्मित हैं । इनमें 'कैल्शियम कार्बोनेट' होता है, जिसकेद्वारा इसके निर्माणका काल ज्ञात करना सम्भव है ।

रामायणके अनुसार रावणसे सीताजीको मुक्त करवानेके उद्देश्यसे वानरोंने छोटे-छोटे पत्थरोंसे यह सेतु निर्मित किया था । भारत और श्रीलंकाके मध्य स्थित यह सेतु लगभग ४८ किलोमीटर लम्बा तथा इसकी गहराई ३ फुटसे ३० फुटतक है ।

'यूपीए' शासन रामसेतुके विक्रय हेतु लालायित थी । कहते हैं राम सेतुमें बहुमूल्य 'रेडियो एक्टिव' वस्तुएं होनेके कारण उसे भग्नकर विक्रयके प्रयास हो रहे थे, जो हिन्दुओंके भाजपाके साथ किए गए आन्दोलनोंके कारण भग्नकर विक्रय रोकनेका शासन विवश हुआ था; परन्तु यह शोधके नामपर कहीं पुनः वही करनेका प्रयास तो नहीं, जिसके लिए कांग्रेसको धर्मद्रोहीकी उपाधि मिली थी । रामसेतु एक विरासत है, जिसे किसी कथित शोधके नामपर विकृत नहीं किया जा सकता है; क्योंकि धर्मके तथ्योंके विषयमें किसी भी शासनपर विश्वास करना निरर्थक है । हिन्दुओंको इस विषयमें जाग्रत रहना चाहिए ।

(१५.०१.२०२१)

****

वैदिक उपासना पीठद्वारा कुछ आवश्यक सूचनाएं

१. वैदिक उपासना पीठद्वारा विजयादशमीसे अर्थात दि. २५/१०/२०२० से ऑनलाइन बालसंस्कारवर्गका शुभारंभ हो चुका है। यह वर्ग प्रत्येक रविवार, त्योहारोंको एवं पाठशालाके अवकाशके दिन प्रातः १० से १०:४५ तक होगा। इस वर्गमें ७ वर्षसे १५ वर्षकी आयुतकके बच्चे सहभागी हो सकते हैं। यदि आप अपने बच्चोंको इसमें सम्मिलित करने हेतु इच्छुक हैं तो पञ्जीकरण हेतु कृपया 9717492523, 9999670915 के व्हाट्सऐप्पपर सन्देशद्वारा सम्पर्क करें।

२. वैदिक उपासना पीठके लेखनको नियमित पढनेवाले पाठकोंके लिए निःशुल्क ऑनलाइन सत्सङ्ग आरम्भ किया जा चुका है।

आनेवाले सत्संगका विषय व समय निम्नलिखित है :

सङ्ख्या सीमित होनेके कारणकृपया अपना पञ्जीकरण यथाशीघ्र कराएं। इस हेतु ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) के व्हाट्सएप्पपर अपना सन्देश भेजें। कृपया पञ्जीकरण हेतु फोन न करें।

अगले कुछ सत्सङ्गोंकी पूर्व सूचना :

अ. नमस्कारसे सम्बन्धित शास्त्र,१५ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

आ. नामजप कब, कहां और कितना करें ? १९ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

इ. योगनिद्रा २५ जनवरी रात्रि ७.३० बजे

३. वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रत्येक दिवस भारतीय समय अनुसार रात्रि नौसे साढे नौ बजे 'ऑनलाइन सामूहिक नामजप'का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें साधना हेतु मार्गदर्शन भी दिया जाएगा, साथ ही आपको प्रत्येक सप्ताह 'ऑनलाइन सत्सङ्ग'के माध्यमसे वैयक्तिक स्तरपर भी साधनाके उत्तरोतर चरणमें जाने हेतु मार्गदर्शन दिया जाएगा, यदि आप इसका लाभ उठाना चाहते हैं तो आप हमें ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) पर "मुझे सामूहिक नामजप गुटमें जोडें", यह व्हाट्सऐप्प सन्देश भेजें !

४. जो भी व्यक्ति वैदिक उपासना पीठके तत्त्वावधानमें अग्निहोत्र सीखना चाहते हैं वे ९९९९६७०९१५ के व्हाट्सऐप्पपर अपना सन्देश इसप्रकार भेजें ,'हमें कृपया अग्निहोत्र गुटमें सम्मिलित करें।'

५. कोरोना जैसे संक्रामक रोग एवं भविष्यकी आपातकालकी तीव्रताको ध्यानमें रखते हुए वैदिक उपासना पीठद्वारा संक्षिप्त दैनिक हवन कैसे कर सकते हैं ?, इस विषयमें १५ अगस्तसे एक नूतन उपक्रम आरम्भ किया जा रहा है। इसमें अग्निहोत्र समान इसे सूर्योदय या सूर्यास्तके समय ही करनेकी मर्यादा नहीं होगी, इसे आप एक समय या सप्ताहमें जितनी बार चाहे, कर सकते हैं । यदि आप सीखना चाहते हैं तो ९९९९६७०९१५ पर हमें इस प्रकार सन्देश भेजें, “हम दैनिक हवनकी सरल विधि सीखना चाहते हैं, कृपया हमें यथोचित गुटमें जोडें।”

प्रकाशक : Vedic Upasana Peeth
जालस्थल : www.vedicupasanapeeth.org
ईमेल : upasanawsp@gmail.com
सम्पर्क : + 91 9717492523 / 9999670915